कोटा विश्वविद्यालय में संवाद कार्यक्रम

विश्वविद्यालय अपने पाठ्यक्रमों से कुशल मानव संसाधन तैयार करें–राज्यपाल

जयपुर/कोटा, 30 अक्टूबर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री हरिभाऊ बागडे ने कहा कि पूरे विश्व में भारत के युवाओं की पहचान उनकी बौद्धिक क्षमता के कारण है। हमारे यहां मौजूद टैलेंट की पूरी दुनिया में मांग है। अमेरिका की सिलिकॉन वैली में करीब 70 प्रतिशत से अधिक भारतीय युवा हैं। पूरा विश्व भारतीयों की काबिलियत की प्रशंसा करता है। प्रतिभाशाली युवा हमारे लिए एक एसेट हैं, इसे देखते हुए विश्वविद्यालयों में दी जा रही शिक्षा का प्राथमिक उद्देश्य विद्यार्थियों में बौद्धिक क्षमता का विकास कर देश के लिए उच्च कौशल वाला मानव संसाधन तैयार करना होना चाहिए। उनकी नींव इतनी मजबूत हो कि वे कोई भी कठिन परीक्षा अपनी बौद्धिक क्षमता के बल पर पास कर सकें।

श्री बागडे गुरुवार को कोटा विश्वविद्यालय में कुलगुरु एवं विभिन्न विभागों के अध्यक्षों एवं शिक्षकों के साथ संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोटा विश्वविद्यालय में छात्र एवं छात्राओं के लिए अच्छी व्यायामशाला भी बनाएं ताकि विद्यार्थी बौद्धिक के साथ शारीरिक रूप से भी सुदृढ़ हों। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में उपलब्ध खेल एवं अन्य गतिविधियों की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि यहां उपलब्ध अंतरराष्ट्रीय स्तर के ट्रैक, इनडोर कोर्ट एवं खेल मैदान को देखते हुए कोटा विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर के दो खेलों के आयोजन की जिम्मेदारी मिली है।

श्री बागडे ने कहा कि कोटा शिक्षा की नगरी के नाम से प्रसिद्ध है, यहां ग्रामीण परिवेश से आने वाले छात्र–छात्राओं को हॉस्टल सुविधा उपलब्ध कराई जाए। अधिक से अधिक बच्चों को हॉस्टल में प्रवेश मिले इसके लिए हॉस्टल सुविधा में वृद्धि करें और आवश्यकता होने पर नए हॉस्टल भवन भी बनवाएं।

———————

सरदार पटेल के राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए किए कार्यों से प्रेरणा लेने का किया आह्वान

राज्यपाल ने राष्ट्रीय एकता दिवस की शुभकामनाएं दी

जयपुर, 30 अक्टूबर। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने राष्ट्रीय एकता दिवस (31 अक्टूबर) की शुभकामनाएं दी है। उन्होंने इस अवसर पर सरदार पटेल का स्मरण करते हुए उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया है।

राज्यपाल श्री बागडे ने कहा कि सरदार पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए किए उनके महान कार्यों से प्रेरणा लेने का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत के वही सूत्रधार थे। राष्ट्र शिल्पी के रूप में उनका योगदान हम सबकी प्रेरणा है।

———

क्रम
गुरुवार)

श्री हरिभाऊ बागडे
संवाद कार्यक्रम

श्री हरिभाऊ बागडे
माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल
राजस्थान
संवाद कार्यक्रम
(गुरुवार)
Thank you